पाचन का जीन और ऑटिज़्म

ऑटिज़्म से प्रभावित लोग, जो सामाजिक अवहेलना और शिक्षा की समस्याओं से पहले ही जूझ रहे हैं, उनमें आंतों से सम्बंधित एक गड़बड़ी का खतरा भी असामान्य रूप से बढ़ जाता है। अब एक ऐसे जीन की खोज की गई है जिसकी मदद से ऑटिज़्म और आंतों की इस गड़बड़ी के परस्पर सम्बंध की व्याख्या हो सकेगी।

ऑटिज़्म से पीड़ित व्यक्तियों का एक बड़ा समूह जीर्ण दस्त, कब्ज़ और कतिपय खाद्य पदार्थों के प्रति असहनशीलता जैसी समस्याओं से ग्रस्त रहता है। ऑटिज़्म से सम्बंधित MET जीन आहार नाल के ऊतकों की मरम्मत में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इसको देखते हुए वेन्डरविल्ट युनिवर्सिटी के डेनियल कैम्पबेल को लगा कि कहीं न कहीं इन सारी चीज़ों के मूल में यह जीन हो सकता है।

देखने में आया कि 118 परिवार में से कम से कम एक बच्चा ऐसा था जो ऑटिज़्म और आहार नाल की समस्या दोनों से पीड़ित था। डेनियल की टीम ने देखा कि MET जीन का एक विशेष परिवर्तित रूप इन बच्चों में उनके माता-पिता की तुलना में अधिक पाया जाता है। इस खोज से इस मान्यता को बल मिलता है कि ऑटिज़्म में इस जीन की भूमिका है। मगर 96 अन्य परिवारों के ऑटिस्टिक बच्चों में आहार नाल की समस्या नहीं पाई गई। इससे यह लगता है कि इन बच्चों में ऑटिज़्म का कारण अलग है।

पीडियाट्रिक्स नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित इन निष्कर्षों से लगता है कि यदि ऑटिज़्म के अनुवांशिक कारण पता हों, तो इलाज का बेहतर रास्ता तैयार हो सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***